नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

हादसे में 5 की मौत, 4 घायल

सीहोर, 6 जुलाई. जिले के आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर ग्राम मेना गोदी के पास सोमवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया. तेज रफ्तार ट्रक और बोलेरो की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार बोलेरो में सवार सभी नौ लोग राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना क्षेत्र के भियापुरा गांव के निवासी थे. वे अपने परिवार के एक मानसिक रूप से अस्वस्थ सदस्य का इलाज कराने आष्टा जा रहे थे. लेकिन इलाज की उम्मीद लेकर निकला यह सफर कुछ ही पलों में मातम में बदल गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए. तीन लोग वाहन से उछलकर दूर जा गिरे, जबकि चालक सहित अन्य लोग वाहन में बुरी तरह फंस गए. हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य

ट्रक-बोलेरो की भिड़ंत

शुरू किया. सूचना मिलते ही आष्टा थाना पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची. बोलेरो को काटकर घायलों और शवों को बाहर निकाला गया. घायलों को पहले आष्टा सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सीहोर जिला अस्पताल और फिर भोपाल रेफर किया गया. पुलिस के अनुसार बोलेरो में राजाराम, भगवान, इंदर सिंह, राधेश्याम, बनेसिंह, गुलाबचंद, हेमराज, देवीराम और चालक अमर सिंह सवार थे.

> हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं. घायलों के सिर, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं. आष्टा एसडीओपी दामोदर गुप्ता ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही हादसे का प्रमुख कारण प्रतीत हो रहा है. पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है. हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया. पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है.

क्रेशर खदान में डूबने से 3 की मौत

▶ गेंद निकालने गए बच्चों को बचाने खदान में बुआ कूदी

ब्यावरा 06 जुलाई, का. मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में क्रेशर की खदान में डूबने से भाई-बहन और उनकी बुआ की मौत हो गई. बच्चे खदान में डूब रहे थे, जिन्हें बचाने के लिए उनकी बुआ कूद गई. इस दौरान बुआ भी गहराई में समा गई. हादसा ब्यावरा के जगनियापुरा गांव में हुआ. जानकारी के मुताबिक, हादसा सोमवार शाम करीब 4 बजे हुआ. मृतकों की पहचान निखरा पारदी (5), नम्रता पारदी (11) और सायराबाई पारदी (35) के रूप में हुई है. पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया. इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए.

स्थानीय लोगों ने बताया कि जगनियापुरा के पास स्थित एक स्टोन क्रशर मशीन की गहरी पानी से भरी खदान के किनारे कुछ बच्चे खेल रहे थे. खेल के दौरान उनकी गेंद खदान में जा गिरी. गेंद निकालने के लिए निखरा पारदी और उसकी बहन नम्रता पारदी खदान के किनारे पहुंचे.

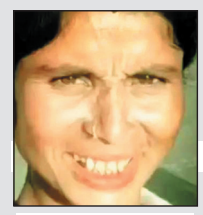

बुआ सायरा बाई

भाई निखरा पारदी

बहन नम्रता पारदी

बच्चों की चीख सुनकर दौड़ी बुआ

दोनों जैसे ही गेंद निकालने का प्रयास करने लगे, अचानक उनका पैर फिसल गया. वे गहरे पानी में गिरकर डूबने लगे. दोनों बच्चों की चीख-पुकार सुनते ही उनकी 35 वर्षीय बुआ सायराबाई पारदी मौके पर पहुंचीं. बच्चों को डूबता देख उन्होंने बिना अपनी जान की परवाह किए खदान में छलांग लगा दी. सायराबाई ने एक बच्चे को पकड़कर बाहर निकालने की कोशिश भी की, लेकिन दूसरे बच्चे को बचाने के प्रयास में उनका संतुलन बिगड़ गया. इस दौरान खदान की गहराई और पानी के कारण वे भी खुद को संभाल नहीं सकीं. देखते ही देखते तीनों पानी में समा गए. हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई. ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे. तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई, जिसके बाद ब्यावरा सिटी थाना पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया.

> **एक घंटे चला रेस्क्यू, डॉक्टरों ने मृत घोषित किया**
> पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर खदान में रेस्क्यू अभियान शुरू किया. करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद तीनों के शव पानी से बाहर निकाले गए. इसके बाद सभी को तत्काल सिविल अस्पताल ब्यावरा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया.

एमपी में गुणवत्ता यात्रा की शुरुआत

मरीजों की सुरक्षा और बेहतर इलाज पर फोकस, 32 से अधिक अस्पताल जुड़े

भोपाल, 6 जुलाई. मध्य प्रदेश सरकार ने भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया -क्यूसीआई) के सहयोग से आज गुणवत्ता यात्रा का शुभारंभ किया. यह राज्यव्यापी पहल प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्ता मानकों को अपनाने तथा एनएबीएच प्रत्यायन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है.

कार्यक्रम का शुभारंभ मध्य प्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने किया. इस अवसर पर भोपाल के जिला कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा (आईएएस), मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), भोपाल डॉ. मनीष शर्मा, सहित मध्य प्रदेश शासन के वरिष्ठ अधिकारी, जिला स्वास्थ्य प्रशासन, अस्पताल प्रशासक, चिकित्सक, गुणवत्ता प्रबंधक तथा विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे. भारतीय गुणवत्ता परिषद के घटक बोर्ड राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड द्वारा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), भोपाल तथा जिला स्वास्थ्य प्रशासन के सहयोग से आयोजित यह गुणवत्ता यात्रा राज्यभर में गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है.

आपसी विवाद में नाना की मौत, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार

ग्वालियर। डबरा में एनएच 75 पर रमेश बाल्मिक और उनकी नातिन के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इस दौरान राहगीरों ने बीच बचाव किया। तभी आ रहे दो पुलिस आरक्षक उन्हें रोककर बीच बचाव कराने लगे। धक्का मुक्की में रमेश बाल्मीकि गिर गए। गिरने से उनकी चोट लग गई, तभी उनको डबरा सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वही परिजनों का आरोप है कि पिटाई के कारण रमेश वाल्मीकि की मौत हुई है।

करोड़ों का गबन करने वाले दोषियों पर अब तक कार्रवाई नहीं?

▶ जनहित याचिका में आरोप, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर. खंडवा जिले की पुनासा जनपद पंचायत अंतर्गत नर्मदा नगर ग्राम पंचायत में करोड़ों के गबन का आरोप लगाने वाले मामले को हाईकोर्ट ने सख्ती से लिया. एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने मामले की प्रारंभिक सुनवाई पर अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है.

युगलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त को निर्धारित की है.

यह जनहित का मामला समाजसेवी कैलाश अतुदे की ओर से दायर किया गया है. जिनकी ओर से अधिवक्ता अनिरूद्ध कुमार मिश्रा ने पक्ष रखा. याचिका में कहा गया है कि नर्मदा नगर ग्राम पंचायत में सडक़ निर्माण, नाली व भवन निर्माण सहित अन्य कार्यों में जमकर अनियिमत्ताएं की गई. आरोप है कि उक्त पूरे मामले में करीब पचास करोड़ रूपये का घालमेल किया गया है.

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी को क्लीनचिट

राज्य स्तरीय छानबीन समिति के सामने प्रतिमा बागरी हुई पेश

▶ प्रदीप अहिरवार को भी एक घंटे तक समिति ने सुना

▶ सतना में बागरी राजपूत हैं, ये साबित नहीं हो सका

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 6 जुलाई. फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर विधायक बनने और फिर राज्यमंत्री बनने के विवादों के बीच सोमवार को राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी मंत्रालय में राज्य स्तरीय छानबीन समिति के सामने पेश हुईं. इस दौरान लगभग दो घंटे तक राज्य मंत्री ने अपना पक्ष रखा.

दस्तावेज और तर्कों के साथ उन्होंने साबित करने का प्रयास किया कि वे सतना जिले में अनुसूचित जाति वर्ग से ही आती हैं. वहीं दूसरी ओर उन्हें चुनौती देने वाले कांग्रेस नेता प्रदीप अहिरवार ने भी समिति के सामने एक घंटे तक पक्ष रखा.

इस दौरान उन्होंने भी दलीलें दी और ये साबित करने का प्रयास किया कि प्रतिमा बागरी अनुसूचित जाति में नहीं बल्कि राजपूत हैं. इन दलीलों से समिति के सामने ये बड़ा सवाल था कि बागरी सतना जिले में राजपूत समाज या सामान्य वर्ग में आते हैं या नहीं? इस दौरान ये साबित नहीं हो सका कि ये बागरी सतना में राजपूत है. इस आधार पर अब समिति ने राज्य मंत्री को क्लीनचिट देने की तैयारी कर ली है. इस संबंध में कार्यवाही विवरण तैयार होने के बाद आदेश भी जारी हो जाएंगे. समिति की सुनवाई के बाद राज्य मंत्री पर छाये संकट के बादल अब छंटते नजर आ रहे हैं.

लॉरेंस गैंग का एमपी हथियार नेटवर्क खंगाल रही क्राइम ब्रांच

नव भारत न्यूज

इंदौर, 6 जुलाई. शहर के दो बिल्डरों से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर रंगदारी मांगने के मामले की जांच अब मध्यप्रदेश में फैले हथियार सप्लाई नेटवर्क तक पहुंच गई है.

क्राइम ब्रांच सूत्रों ने बताया कि पूछताछ में खुलासा हुआ है कि गैंग के गुर्गे कसरावद के एक सिकलीगर से देसी पिस्टल खरीदते ही नहीं थे, बल्कि खराब होने पर वहीं उन्हें सुधारने भी ले जाते थे. जांच जब उस सिकलीगर तक पहुंची तो पता चला कि वह खरगोन के चर्चित कॉटन व्यापारी फायरिंग कांड में सरकारी गवाह बन चुका है.

जांच आगे बढ़ाई जा रही है

आरोपियों की पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर हथियार उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क की जांच आगे बढ़ाई जा रही है. फरार आरोपियों और उनसे जुड़े लोगों की तलाश की जा रही है. जांच पूरी होने के बाद इस मामले में और कार्रवाई की जाएगी.

राजेश दंडोतिया, एडीसीपी क्राइम

राष्ट्रीय सेवा योजना की हुई समीक्षा

राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल का किया निरीक्षण

नईदिल्ली/भोपाल, 6 जुलाई. भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, युवा कार्यक्रम विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने अपने तीन दिवसीय भोपाल प्रवास के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना (रा.से.यो.) क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल (मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़) का निरीक्षण किया.

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के उप कार्यक्रम सलाहकार / क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती एवं कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सचिव महोदया का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया. तत्पश्चात सचिव महोदया ने कार्यालय की कार्यप्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया.

> कार्यालय भ्रमण के दौरान क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती ने सचिव महोदया को मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, उपलब्धियों तथा क्षेत्रीय निदेशालय की कार्यप्रणाली की जानकारी प्रदान की. सचिव महोदया ने राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए योजनाओं के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर बल दिया.

नदी में डूबने से दो दोस्तों की मौत शादी की खुशियां मातम में बदलीं

शिवपुरी। जिले के कोलारस थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम साखनौर से एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है। सिंध नदी में नहाने गए दो युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई। दोनों युवक अपने अन्य दोस्तों के साथ नदी में नहाने और पिकनिक मनाने पहुंचे थे। नहाने के दौरान नदी के भीतर बने गहरे गड्ढों का अंदाजा न होने के कारण दोनों युवक उसमें समा गए और तेज बहाव व गहराई के कारण बाहर नहीं निकल पाए।

नदी में डूबने वाले मृतकों की पहचान कोलारस निवासी प्रद्युम्न शर्मा (20 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय गोपाल शर्मा, और सादिक खान (24 वर्ष), पुत्र बाबू खान के रूप में हुई है। इस हादसे ने दोनों परिवारों को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया है। मृतक प्रद्युम्न के पिता का कुछ महीनों पहले ही देहांत हुआ था, जिससे परिवार पहले ही सदमे में था और अब इकलौते जवान बेटे की मौत से मां पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

एसबीसी चुनाव : इंदौर की मतगणना में कई दिग्गजों ने बनाई बढ़त

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव में मतगणना आगे बढने् के साथ ही मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। इंदौर जिले की छह मतपेटियों की गिनती पूरी होने के बाद कई प्रमुख उम्मीदवारों ने बढ़त बनाई, जबकि महिला प्रत्याशियों की भी मजबूत मौजूदगी बनी हुई है। परिणामों को लेकर अधिवक्ता समुदाय की उत्सुकता लगातार बढ़ रही है।

दक्षिण अफ्रीका भारत को 6 से 8 चीते और देगा

ग्वालियर/श्योपुर। प्रोजेक्ट चीता की सफलता से उत्साहित दक्षिण अफ्रीका अब भारत को और चीते देने को राजी हो गया है। इसके तहत जल्द ही छह से आठ और चीते लाए जा सकते हैं। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई चर्चा में बनी सहमति के बाद चीतों की नई खेप को कूनो में रखने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। कूनो में बाहर से आने वाले चीतों को रखने के लिए जो ढांचा तैयार किया है, उसमें भविष्य में भी बाहर से आने वाले चीतों का लांचिंग ग्राउंड कूनो ही रहेगा। फिलहाल मौजूदा समय में मध्य प्रदेश के कूनो और गांधी सागर अभयारण्यों में 53 चीते हैं। इस बीच मध्य प्रदेश के नौरादेही अभयारण्य को चीतों का एक तीसरा ठिकाना भी बनाने की तैयारी अंतिम दौर में है। माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक कूनो से कुछ चीतों को वहां शिफ्ट किया जा सकता है। इसके बाद चीतों की एक खेप को गुजरात के बन्नी अभयारण्य में रखने की तैयारी है।